प्रेस विज्ञप्ति / Press Release **जून / June 08, 2021**

सिडबी - सीआरआईएफ की रिपोर्ट से पता चलता है कि यथा दिसंबर 2020 तक भारतीय कपड़ा और परिधान उद्योग ने 1.62 लाख करोड़ रुपये का ऋण लिया

Indian Textiles and Apparels Industry availed credit of Rs.1.62 lakh crore as of December 2020, reveals a report by SIDBI-CRIF

यथा दिसंबर 2020 तक इस क्षेत्र में सक्रिय ऋणों की संख्या 4.26 लाख थी

The number of active loans in the sector stood at 4.26 lakh as of December 2020

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के संवर्द्धन, वित्तपोषण और विकास में संलग्न प्रमुख वित्तीय संस्थान, भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) और सीआरआईएफ़ हाई मार्क, एक प्रमुख भारतीय क्रेडिट ब्यूरो, ने आज अपनी रिपोर्ट 'उद्योग स्पॉटलाइट' का तीसरा संस्करण लॉन्च किया जो 'भारतीय कपड़ा और परिधान' उद्योग का विश्लेषण करती है।

Small Industries Development Bank of India (SIDBI), the principal financial institution engaged in the promotion, financing and development of Micro, Small & Medium Enterprises (MSMEs), and CRIF High Mark, a leading Indian credit bureau today, launched its third edition of **Industry Spotlight** that analyses the ‘Indian Textile and Apparels’ industry.

भारतीय कपड़ा और परिधान उद्योग में ऋण परिदृश्य

रिपोर्ट के अनुसार, यथा दिसंबर 2020 तक इस क्षेत्र द्वारा प्राप्त ऋण की कुल राशि ₹1.62 लाख करोड़ रही, जिसमें लगभग 20% की वर्षानुवर्ष गिरावट देखी गई। मार्च 2020 में कोविड-19 के लॉकडाउन के तत्काल बाद में विनिर्माण गतिविधियों के निलंबन के कारण ऐसा हुआ है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि यथा दिसंबर 2020 तक इस क्षेत्र में सक्रिय ऋणों (मात्रा की दृष्टि से) की संख्या 4.26 लाख रही।

Credit landscape in the Indian textile and apparels industry

According to the report, the total amount of credit availed by the sector as of December 2020 stood at Rs.1.62 lakh crore, which witnessed a Y-o-Y decline of nearly 20%. This is due to the suspension of manufacturing activities in the immediate aftermath of the COVID-19 lockdown in March 2020. The report also states that the number of active loans (volume), in the sector stood at 4.26 lakh, as of December 2020.

उद्योग ने पिछले 2 वर्षों में अनअर्जक आस्तियों (90+ दिनों से बकाया ऋण मूल्य का अनुपात) में तिमाही गिरावट देखी है, जो सितंबर 2018 में 29.59% से सितंबर 2020 में 15.98% हो गई। दिसंबर 2020 में इन अनअर्जक आस्तियों में 0.94% की वृद्धि हुई जो दिसंबर 2019 में अनअर्जक आस्तियों की तुलना में लगभग 8% कम है।

The industry observed a quarterly decline in Non-Performing Assets or NPAs (proportion of credit value delinquent by 90+ days) over the last 2 years, from 29.59% in September 2018 to 15.98% in September 2020. NPAs in December 2020 increased by 0.94% which is nearly 8% lower than NPAs in December 2019.

यथा दिसंबर 2020 तक इस क्षेत्र से निर्यात आय घटी है

पिछले कुछ वर्षों से परिधानों ने निर्यात के अधिकांश हिस्से का योगदान दिया है, इसके बाद घरेलू कपड़े और वस्त्र का स्थान है। अलबत्ता, 'उद्योग स्पॉटलाइट' के तीसरे संस्करण के अनुसार, यथा दिसंबर 2020 तक निर्यात ऋण 25% कम रहा है, जिसका मुख्य कारण वैश्विक महामारी के कारण निर्यात में आई गिरावट है।

Export earnings from the sector dropped as of December 2020

Over the years, apparels have contributed to a majority share of exports, followed by home textiles and fabric. However, as per the third edition of the Industry Spotlight, export credit as of December 2020 stands 25% lower Y-o-Y, largely attributable to a decline in exports due to the pandemic.

मात्रा के हिसाब से समग्र ऋण का एक बड़ा हिस्सा एमएसएमई उधारकर्ताओं के पास है

मात्रा के हिसाब से इस क्षेत्र को दिए गए कुल ऋण का 95% हिस्सा सूक्ष्म, लघु और मध्यम खंड के उधारकर्ताओं के पास केन्द्रित रहने के साथ इस उद्योग क्षेत्र में यथा दिसंबर 2020 तक लगभग 5 लाख उधारकर्ता मौजूद हैं।

MSME borrowers have a lion share of the overall credit by volume

With 95% of the overall credit by volume of the sector concentrated in micro, small and medium segment of borrowers, the industry has a presence of close to 5 lakh borrowers as of December 2020.

शीर्ष कपड़ा उद्योग केंद्रों की भौगोलिक अंतर्दृष्टि

राज्य के स्तर पर, इस क्षेत्र की ऋण बही के 25% के ऋण संविभाग का सबसे बड़ा हिस्सा महाराष्ट्र राज्य के पास है।

रिपोर्ट में इस बात को रेखांकित किया गया है कि कपड़ा और परिधान निर्माण में समृद्ध 13 शीर्ष क्षेत्रों में यथा दिसंबर 2020 तक इस क्षेत्र के कुल ऋण संविभाग का 80% हिस्सा रहा। लगभग सभी राज्यों में ऐसे जिले हैं जिनमें कपड़ा और परिधान निर्माण करने वाली कई ऋण सक्रिय इकाइयाँ हैं। मुंबई और सूरत जैसे कुछ जिलों का ऋण संविभाग यथा दिसंबर 2020 तक 10,000 करोड़ रुपए से अधिक का रहा है।

Geographical insights on top textile hubs

At the state level, Maharashtra has the largest share of the credit portfolio at 25% of the credit book to the sector.

The report emphasizes that the top thirteen regions rich in textiles and apparels manufacturing accounted for 80% of the credit portfolio of the sector as of December 2020. Nearly all states have districts manufacturing textiles and apparels, having several credit active units. Some districts such as Mumbai and Surat have more than Rs. 10,000 crore credit portfolios as of December 2020.

सिडबी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक श्री सिवसुब्रमणियन रमण ने कहा, "भारत में कपड़ा और परिधान उद्योग भारतीय अर्थव्यवस्था के सबसे पुराने और सबसे बड़े क्षेत्रों में से एक है और देश की रोजगार कहानी का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह क्षेत्र, निर्यात में पांचवां सबसे बड़ा है, जो देश की निर्यात आय का 12% और सकल घरेलू उत्पाद में 2% का योगदान करता है। भारत, वस्त्रों के क्षेत्र में विश्व में अग्रणी है और इसके पास संपूर्ण विनिर्माण मूल्य श्रृंखला है। केंद्रीय बजट 2021-22 में 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था हासिल करने की सोच में अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखा गया है और तदनुसार, वैश्विक स्तर पर भारत की कपड़ा प्रतिस्पर्धा को बढ़ाने के लिए, एकीकृत वस्त्र क्षेत्र और परिधान पार्क की एकीकृत योजना (एमआईटीआरए) की घोषणा भी की गई थी, जो घरेलू बाजार में तीव्र सुधार को परिदर्शित करने के लिए प्लग एंड प्ले सुविधाओं के साथ विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा तैयार करेगी।

Shri Sivasubramanian Ramann, Chairman and Managing Director, SIDBI said, "The Textiles and Apparels industry in India is one of the oldest and largest sectors of the Indian economy and critical to the country's employment story. The sector is the fifth largest in exports, contributing to 12% of the country's export earnings and 2% to GDP. India is a world leader in textiles and possesses the entire manufacturing value chain. The Union Budget 2021-22 has taken into consideration the needs of all sectors of the economy in the quest for the $5 trillion

economy and accordingly, in order to enhance India’s textiles competitiveness globally, the scheme for Mega Integrated Textile Regions and Apparel Parks (MITRAs) was announced that will create world class infrastructure with plug n play facilities for the domestic market to showcase steep recovery.”

सीआरआईएफ इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यापालक अधिकारी श्री नवीन चंदानी ने कहा, “वैश्विक महामारी के बावजूद, कपड़ा और परिधान निर्माण में समृद्ध शीर्ष तेरह क्षेत्रों में यथा दिसंबर 2020 तक ऋण संविभाग का 75% हिस्सा प्रयुक्त हो रहा था। भारत में, परिधान और कपड़ा क्षेत्र में प्रत्येक राज्य का अपना अनूठा योगदान है। भारत सरकार ने मई 2020 में आत्मानिर्भर भारत कार्यक्रम के तहत एक विशेष आर्थिक पैकेज की घोषणा की, जो देशभर में बुनकरों और कारीगरों सहित बड़ी संख्या में छोटे पैमाने की संस्थाओं को लाभान्वित करने के लिए लक्षित है। सही नीतिगत हस्तक्षेप, कच्चे माल की प्रचुर उपलब्धता और उचित पहुँच के साथ-साथ उपलब्ध श्रम आधिक्य, इस महत्वपूर्ण क्षेत्र के विकास को आगे बढ़ावा दे सकता है।”

Mr. Navin Chandani, MD & CEO, CRIF India, said, “Despite the pandemic, the top thirteen regions active in textiles and apparels manufacturing constituted 80% of the credit portfolio as of December 2020. In India, each state has a unique contribution to the apparels and textile sector. The Government of India announced a special economic package in May 2020 under the Atmanirbhar Bharat program that is set to benefit the large number of small-scale entities, including the weavers and artisans across the country. The right policy interventions, abundant availability and fair access to raw materials along with the surplus available labour can further boost the development of this crucial sector.”

भारतीय कपड़ा और परिधान क्षेत्र के लिए ऋणदाता प्रोफाइल

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक 62.61% की मात्रा के साथ यथा दिसंबर 2020 तक इस क्षेत्र को वित्त प्रदान करनेवाले प्रमुख ऋणदाता हैं। निजी बैंकों, एनबीएफसी और विदेशी बैंकों की हिस्सेदारी क्रमशः 23.49%, 8.66% और 1.41% रही है। मूल्य राशि की दृष्टि से यथा दिसंबर 2020 तक, निजी बैंकों की 40.54% की सबसे बड़ी हिस्सेदारी रही है। इसके बाद सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की 36.59%, विदेशी बैंकों की 9.14% और एनबीएफसी की 8.47% की हिस्सेदारी रही है।

Lender profiles for the Indian textile and apparel sector

Public sector banks are dominant lenders in providing finance to the sector with a share of 62.61% in volume as of December 2020. The share of private banks, NBFCs and foreign banks were 23.49%, 8.66% and 1.41%, respectively. By value, private banks have the largest share at 40.54% followed by public sector banks with 36.59%, foreign banks comprising of 9.14% and NBFCs with 8.47% as of December 2020.

उद्योग स्पॉटलाइट रिपोर्ट के बारे में: 'उद्योग स्पॉटलाइट' अपने प्रत्येक संस्करण में उद्योग क्षेत्रों पर आंकड़े और प्रवृत्तियाँ सुलभ करवाने वाली त्रैमासिक रिपोर्टों की एक श्रृंखला है, जिसका उद्देश्य नीति निर्माताओं को वास्तविक समय के आंकडों के माध्यम से मदद करना है, जो नीतियों को तैयार करने के लिए उपयोगी हो सकती है। यह अपने जोखिम विश्लेषण के साथ-साथ क्षेत्र के ऋण परिदृश्य, प्रमुख उधारदाताओं, क्षेत्रीय संरचना और उधारकर्ता खंडों का विश्लेषण भी करता है। रिपोर्ट में संबंधित समूहों में एमएसएमई की स्थिति को ध्यान में रखते हुए समूहों के स्तर पर ऋण प्रवाह का विश्लेषण शामिल रहता है। पहला खंड सितंबर 2020 में, भारतीय ड्रग्स और फार्मास्युटिकल उद्योग पर केंद्रित किए जाने के साथ, प्रारम्भ किया गया था। इसके बाद भारतीय ऑटो और ऑटो घटक उद्योग विषय पर केन्द्रित अगला अंक जनवरी 2021 में जारी किया गया था।

About Industry Spotlight Report: Industry Spotlight is a series of quarterly reports providing data and trends on industry sectors in each edition, introduced with an aim to help policymakers with the real time data that can be useful to frame policies. It analyses the credit landscape of the sector, major lenders, sectoral composition and borrower segments along with its risk analysis. The report entails an analysis of credit flow at cluster level while factoring the state of MSMEs in the respective cluster. The first volume was launched in September 2020 with a focus on the Indian Drugs & Pharmaceutical Industry followed by Indian Auto & Auto Components Industry which was released in January 2021.

सिड्बी के बारे में: 1990 में अपने गठन के बाद से सिडबी अपने एकीकृत, अभिनव और समावेशी दृष्टिकोण के माध्यम से समाज के विभिन्न स्तरों पर नागरिकों के जीवन को प्रभावित कर रहा है। सिडबी ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से विभिन्न ऋण और विकासात्मक उपायों के माध्यम से सूक्ष्म और लघु उद्यमियों (एमएसई) के जीवन को छुआ है, चाहे ये पारंपरिक व घरेलू छोटे उद्यमी हों; उद्यमिता पिरामिड के निम्नतम स्तर के उद्यमी हों अथवा उच्चतम स्तर के ज्ञान-आधारित उद्यमी हों। सिडबी 2.0 अपने साथ समावेशी, अभिनव और प्रभाव-उन्मुख संबद्धताओं की दृष्टि को लेकर चल रहा है।

अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट https://www.sidbi.in पर जाएँ।

About SIDBI: Since its formation in 1990, SIDBI has been impacting the lives of citizens across various strata of the society through its integrated, innovative and inclusive approach. Be it traditional, domestic small entrepreneurs, bottom-of-the-pyramid entrepreneurs, to high-end knowledge-based entrepreneurs, SIDBI has directly or indirectly touched the lives of Micro and Small Enterprises (MSEs) through various credit and developmental engagements. SIDBI 2.0 carries the vision of inclusive, innovative and impact-oriented engagements.

To know more, check out: https://www.sidbi.in

सीआरआईएफ इंडिया के बारे में: सीआरआईएफ एक वैश्विक समूह है जिसका मुख्यालय यूरोप में है और इसे आईडीसी द्वारा वैश्विक स्तर पर शीर्ष 50 फिनटेक कंपनियों में स्थान दिया गया है। सीआरआईएफ, अब भारत में ऋण सूचना, व्यवसाय सूचना, एनालिटिक्स, स्कोरिंग, ऋण प्रबंध और निर्णय समाधान के लिए उत्पाद और सेवाएं प्रदान करता है। सीआरआईएफ हाई मार्क, उन चार प्रमुख क्रेडिट ब्यूरो में से एक है जिनके पास व्यक्तिगत रिकॉर्ड का सबसे बड़ा डाटा भंडार है और यह हर महीने उधार संबंधी लाखों निर्णयों का समर्थन करता है। यह पहला पूर्ण-सेवा क्रेडिट ब्यूरो है और इसमे उधारकर्ताओं के सभी खंड - वाणिज्यिक, खुदरा और सूक्ष्म वित्त शामिल हैं। सीआरआईएफ, देश के सभी प्रमुख वित्तीय संस्थानों के साथ काम करता है, जो उन्हें अपने स्वामित्व वाले 'मेड इन इंडिया फॉर इंडिया सर्च इंजन' का उपयोग करके एक व्यापक ब्यूरो कवरेज प्रदान करता है, जिसमें निम्न गुणवत्ता वाले आंकड़ों के साथ भी कार्य सिद्ध हो जाता है।

About CRIF India: CRIF is a global group headquartered in Europe and has been ranked among the top 50 fintech companies globally by IDC. CRIF now offers products and services for Credit Information, Business Information, Analytics, Scoring, Credit Management and Decision solutions in India. CRIF High Mark is one of the four leading credit bureaus that has the largest database of individual records and supports millions of lending decisions every month. It is the first full-service credit bureau and covers all borrower segments – Commercial, Retail and Microfinance. CRIF works with all leading financial institutions in the country providing them a comprehensive bureau coverage using its proprietary ‘Made in India for India Search Engine’, proven to work even with low quality data.

To know more, check out: https://www.crifhighmark.com/